(xiv) एनआईयूए के पास इलैक्ट्रोनिक रूप में उपलब्ध अथवा धारित सूचना के संबंध में ब्यौरा।

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान वर्ष 2000 से अपनी खुद की वेबसाइट (www.nica.org) चला रहा है। वेबसाइट पर सूचना का यथोचित अद्यतन किया जाता है।

यह वेबसाइट संस्थान तथा इसके विभिन्न कार्यकलापों एवं अनुसंधान के संबंध में निम्नलिखित व्यापक शीर्षों के अंतर्गत सूचना प्रदान करती है:

हमारे बारे में

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान (एनआईयूए) भारत में शहरी क्षेत्र के लिए अनुसंधान, क्षमता निर्माण तथा ज्ञान के प्रचार-प्रसार के लिए एक अग्रणी संस्थान है। संस्थान के पूर्ण उद्देश्यों के साथ इसके विजन तथा मिशन को संरेखित किया गया है जिन्हें शासी परिषद द्वारा शासित किया जाता है।

अनुसंधानः

संस्थान के अनुसंधान से उन परियोजनाओं में सहायता मिलती है जो सात प्रमुख विषयक संबंधी क्षेत्रों: शहरीकरण, शहरी अवसंरचना तथा आर्थिक वृद्धि, नागरिक वित्त तथा गवर्नेंस, भू-अर्थव्यवस्था तथा परिवहन, शहरी गरीबी, वहनीय आवास, सतत पर्यावास, पर्यावरण एवं मौसम परिवर्तन तथा स्मार्ट सिटी पर आधारित हैं।

प्रकाशनः

एनआईयूए उत्तम परिपाटियों को प्रलेखित करता है तथा इनका प्रचार-प्रसार करता है और राष्ट्रीय, क्षेत्रीय तथा वैश्विक नेटवर्क के संसाधनों से लाभ उठाता है ताकि सर्वोत्तम गुणवत्ता क्षमता विकास किया जा सके। यह अनुसंधानात्मक कार्यकलापों, प्रशिक्षण सत्रों, सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं तथा व्याख्यान के निष्कर्षों के आधार पर रिपोर्टें, सामयिक अनुसंधान शोध पत्र तथा अध्ययन नियमित रूप से प्रकाशित करता है।

यह संस्थान वर्ष में दो बार निकलने वाला प्रख्यात जर्नल *'अरबन इंडिया'* भी प्रकाशित करता है। इसने वर्ष में दो बार छपने वाला जर्नल *"पर्यावरण तथा शहरीकरण, दक्षिण एशिया"* तथा अग्रणी समाचार पत्रों तथा मैगनीजों से प्राप्त शहरी क्षेत्र से संबंधित समाचारों के संकलन वाले *'अरबन न्यूज'* शीर्षक के मासिक प्रकाशन को भी प्रकाशित किया है।

आउटरीचः

एनआईयूए नीति संबंधी एड्वोकेसी, ज्ञान के आदान-प्रदान तथा सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए नियमित कार्यकलाप करता है। कार्यशालाएं, प्रशिक्षण, सम्मेलन, व्याख्यान तथा सामूहिक चर्चा आधुनिकतम जानकारी तथा अनुसंधानात्मक निष्कर्षों को सुलभ बनाने के लिए शहरों द्वारा झेले जाने वाली जटिलताओं तथा मुद्दों पर चर्चा करने एवं इनकी जांच करने के लिए शहरी व्यावसायिकों, चिंतकों, प्रोफेसरों, वास्तुकारों, नियोजकों, पर्यावरणविदों के अनुसंधान तथा सुविज्ञता को एक साथ लाते हैं।

पुस्तकालयः

पुस्तकों के विपुल ज्ञान, जो एनआईयूए में पुस्तकालय के रूप में भंडारित है, का इस अनुभाग में आदान-प्रदान किया जाता है जहां एक मुद्रित कैटेलॉग तथा डिजीटल आरकाइव प्रस्तुत किया जाता है।

संपर्कः

संस्थान की संपर्क सूचना शामिल है।